जयपुर-पीस पैलेस(श्रीनिवास नगर)। राजभवन में महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पुष्प गुच्छे से सम्मानित करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. हेमलता दीदी, ब्र.कु. कविता बहन, उद्योगपति ब्र.कु. मदन लाल शर्मा तथा अन्य। मुलाकात के दौरान ब्र.कु. हेमलता दीदी ने पीस पैलेस के द्वारा हो रही सेवाओं से अवगत कराया और आगामी विशेष कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित भी किया।

शांतिवन। मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती(मम्मा) के 58वें पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. करुणा भाई तथा अन्य।

शांति और सन्तुष्टता की प्राप्ति का आधार - योग और पवित्रता

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

आमतौर पर यह देखने में आता है कि जब कभी कोई विशिष्ट व्यक्ति ब्रह्माकुमारी बहनों से मिलते हैं, तब वे अपना अनुभव व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इन बहनों के चेहरों से आन्तरिक सन्तोष, शान्ति तथा पवित्रता की रेखायें झलकती हैं। परन्तु शायद ही ये व्यस्त लोग कभी उन कारणों पर विचार करते होंगे जिनके फलस्वरूप आन्तरिक सामंजस्य, शान्ति तथा सन्तुष्टता से युक्त अवस्था बनती है। जबकि वे इन प्राप्तियों को अमूल्य समझते भी हैं तो भी वे इन्हें प्राप्त करने के लिए गंभीरता से प्रयास नहीं करते।

अन्तर्निरीक्षण तथा शान्त मन से इस विषय पर विचार करने से यही निष्कर्ष निकलेगा कि उच्च कोटि व अधिक मात्रा में भौतिक पदार्थों की प्राप्ति से सन्तुष्टता नहीं मिलती। अज्ञानता की घोर रात्रि की समाप्ति के बाद ही सन्तुष्टता का उदय होता है। वर्तमान भौतिक जगत से होने वाली प्राप्तियां क्षणिक और विनाशी हैं यह अनुभूति ही सन्तुष्टता को जन्म देती है। जिसके मन से भौतिक जगत की प्राप्तियों की इच्छायें समाप्त हो जाती हैं, केवल वह व्यक्ति ही सन्तुष्ट हो सकता है। अतः सन्तुष्टता आध्यात्मिक ज्ञान की उच्चतम स्थिति का संकेतक है। जहाँ त्याग और सेवा भाव हो, और सम्पन्नता की अनुभूति हो, वहाँ ही सन्तुष्टता पनपती है।

इसी प्रकार जब आन्तरिक द्वन्द्व समाप्त हो जाता है तथा मन और बुद्धि का सामंजस्य हो जाता है, तभी मानव को मानसिक शान्ति की अनुभूति होती है। जब चिन्ताओं, सांसारिक प्राप्तियों व अधिकारों की इच्छा से मानव उपराम हो जाता है, तब ही 'शान्ति' का जन्म होता है। पवित्रता ही शान्ति की जननी है। जब मानव वास्तविक तथा सतत् शान्ति की स्थिति में रहता है, तब उसके चेहरे तथा मस्तक पर पवित्रता की चमक होती है।

सन्तुष्टता, पवित्रता तथा शान्ति- ये त्रिगुण ही जीवन को जीने-योग्य बनाते हैं। इनका जीवन में तभी पदार्पण होता है जब कोई व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान तथा राजयोग का निरन्तर अभ्यास करता रहता है। योग तपस्या के बिना मानव आन्तरिक शान्ति का न अनुभव कर सकता है और न ही उसे कायम रख सकता है।

परन्तु समस्या यह है कि लोग आमतौर पर यह समझते हैं कि आध्यात्मिक ज्ञान रूचिकर नहीं है, कठिन है और केवल श्रद्धा (कई जगह 'अन्धश्रद्धा') का विषय है और मंत्र उच्चारण तथा कर्मकाण्ड पर आधारित है। परन्तु वास्तविकता यह नहीं है। आध्यात्मिक ज्ञान उतना ही रूचिकर है जितना कि अन्य कोई विषय। योग भी न कोई कर्मकाण्ड है और न ही इसमें कोई संस्कृत के मंत्र रटने की आवश्यकता है। मनन करना, याद करना और अनुभव करना- यही सहज योग है। यह इतना ही सहज है। हाँ, प्रारम्भ में इसके लिए कुछ प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता है। कुछ समय इसमें लगाना उसी प्रकार है, जैसे कोई मनुष्य अधिकाधिक कमाने व प्राप्त करने के लिए अपना धन व्यय करता है। इसके अभ्यास में कुछ समय लगाने से मनुष्य सन्तुष्टता और शान्ति रूपी जीवन के अनमोल उपहारों की प्राप्ति कर सकता है।

आज हर प्राणी और हर समाज शान्ति या सामंजस्य की अनुभूति व प्राप्ति के लिए कितने समय, धन और शक्ति का व्यय करते हैं परन्तु ये सब प्रयास वे यह जाने बिना ही किये जा रहे हैं कि आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित योग और पवित्रता से ही शान्ति और सन्तुष्टता की प्राप्ति हो सकती है।

तिनसुकिया-असम। नशा मुक्त भारत अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के पश्चात् उपस्थित हैं संजय किशन,श्रम एवं कल्याण राज्यमंत्री, स्वप्निल पाल,जिला उपायुक्त, डॉ. सचिन परब,मुम्बई, ब्र.कु. रजनी बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका तथा अन्य भाई-बहनें।

चिरकुंडा-झारखण्ड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा वाई20 कार्यक्रम (हेल्थ,वेल बीइंग,स्पोर्ट्सःएजेंडा फॉर यूथ) के अंतर्गत आयोजित 'वॉक फॉर पीस' का श्रीमति अपर्णा सेनगुप्ता, विधायक, भाजपा, डब्ल्यू.बाउरी,चेयरमैन,नगर पंचायत, ब्र.कु. अर्चना बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. पिंकी बहन, ब्र.कु. सुभ्रो भाई तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों ने शुभारंभ किया।

भरतपुर-राज.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सांवरमल वर्मा,संभागीय आयुक्त एवं लोक बंधु यादव,जिला कलेक्टर को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए ब्र.कु. बबीता बहन एवं ब्र.कु. प्रवीणा बहन।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के गुरूग्राम,भोराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती जी के 58वें पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी। इस अवसर पर संस्थान के अति. महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई, फरीदाबाद सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. उषा दीदी, ब्र.कु. जय प्रकाश भाई, ब्र.कु. मधु बहन तथा दिल्ली एवं एनसीआर से हज़ारों ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

सिकन्दरपुर-उ.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए पूर्व विधायक भगवान पाठक, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम बहन तथा अन्य भाई-बहनें।